

(3442) 215373

345



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

916649

1

विक्रय-पत्र

बैनामा अंकज्ञ 17,60,000/- रुपये।

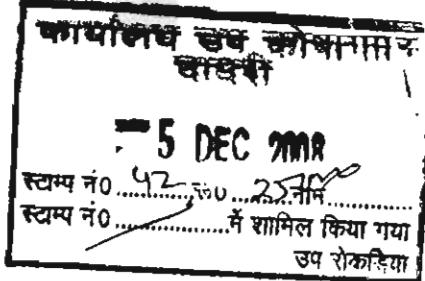
स्टाम्प अंकज्ञ 1,23,500/- रुपये।

विवरण विक्रय सम्पत्ति:- कृषि भूमिधरी के खाता नं 0 226 के खेत नं 0 37 रकबा 0.5370 हैक्टेयर व खेत नं 0 66 रकबा 0.1650 कुल दो खेत रकबई 0.7020 हैक्टेयर लगानी रुपये 30=90 पैसे सालाना का 1/4 भाग सम्पूर्ण अपना बकदर 0.1755 हैक्टेयर भूमि को बैनामा हाजा में बेचा गया है स्थित ग्राम चमरावली रामगढ़, परगना व तहसील दादरी, जिला- गौतमबुद्धनगर।









Chlorophyll a, net primary production, 1992-93

LITERATURE

उत्तरायण दिनांक १५/१०/८४
उत्तरायण दिनांक १५/१०/८४

सब रजिस्ट्रार दाती
५। २०९

इस लेखपत्र का संपादन एवं इसमें लिखे
जोड़े गए तथा १९६०, १९७५ वर्षों के लिए
दिल्ली के

नमस्ते मेरे समक्ष पालन उक्त श्रीविनायकाम-
देवामूर्तिकोषाद्यात्मकामात्मकामात्मकामात्मकामा-
देवामूर्तिकोषाद्यात्मकामात्मकामात्मकामात्मकामा-
देवामूर्तिकोषाद्यात्मकामात्मकामात्मकामात्मकामा-



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

of witness

Photo Attest

A. C. SHARMA 907801

DARRI-NUIDA

MOTT. S. B. NASAF

916650

2

विक्रेता एवम् क्रेता दोनों अनुसूचित जाति एवं जनजाति से नहीं है।

विक्रीत भूमि ग्राम समाज पट्टे व भूदान पट्टे आदि की नहीं है।
संक्रमणीय भूमिधरी दर्ज है।

विक्रीत भूमिधरी भूमि जिसका सर्किल रेट 85,00,000/- रुपये प्रति हैक्टेयर का है। किन्तु क्रेता द्वारा सर्किल रेट से अधिक पर स्टाम्प शुल्क अदा किया गया है।

विक्रीत भूमि किसी जी0टी0रोड, राज्य रोड अथवा लिंक रोड पर स्थित नहीं है।

विक्रीत भूमि की बाबत क्रेता व विक्रेता दोनों पक्षों के मध्य पूर्व में कोई इकरारनामा माहदा वय पंजीकृत नहीं हुआ है।

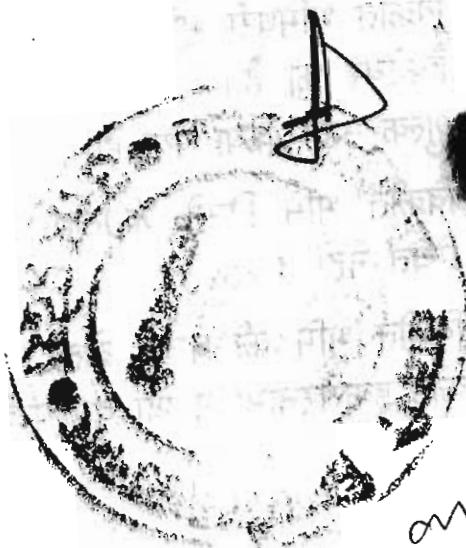
कार्यालय छत्तीसगढ़ा
दादरी

- 5 DEC 2008

स्वामी नं० ५३ रु० २५/-
स्वामी नं० ६२ में शामिल किया गय
उप रोकड़िया

नमस्कार श्री द्वादश शतावधी श्री राम
निवासी
द श्री राम
गुरु श्री उत्तराधिकारी पंजाबी
निवासी
नेहरी
त्रिवेदी वार्ष
सब राजद्वारा दादरी
५१२१००

S. Office



मेरा स्वामी

द्वादश शतावधी



जाकी भले प्रतात हात ह खिल
भंगृहा नियमानुसार लिये गये हैं

उप निवासी
दादरी, गौतम बुद्ध नगर
५१२१००



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

916651

3

हम कि विनोद शर्मा पुत्र स्वरूप श्री रातिराम शर्मा जाति बाहुमण
निवासी छाम दतावली, परगना व तहसील -दादरी, जिला-
जीतमधुनगढ़ (विक्रेता, फरीक अव्वल)।

एवम्

मैसर्स मारवाड़ इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, 1202 अम्बरिका भवन,
22 कट्टूरबा गोंधी मार्ग, नई दिल्ली 110001 द्वारा प्राप्ति
हस्ताक्षरी नीता राम त्यानी पुत्र स्वरूप श्री दाताराम त्यानी
निवासी डी०-४१, कौशांखी, जाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) (क्रेता
फरीक दोयम)।

काशीलख द्वारा कोषागांव
द्वारा

- 5 DEC 2001

स्थान नं० ५४ २५/१
स्थान नं० ५२ मे रामेश लिखा गया
उपरोक्त दिन

एन्ड्रेज ट्रिक्स लैन्ड एडमिशन फि ०७९ लूप लैन्ड इनिटी की सह
-समर्थी एंग्लिश- अंग्रेज वा ब्रिटिश लिकार्ड माल लिए गये
(संबोध करिए एडमिशन) उत्तराखण्ड राज्य

एवं

क्रांति दिनांक २०२१ अंग्रेजी उत्तराखण्ड राज्य के
प्रमुखीय राष्ट्र प्रशासन लिए गए तेज विरोध आनंदक एवं
स्थान लालानाथ फि ०७९ लूप लैन्ड एडमिशन लिकार्ड
एवं (एंग्लिश अंग्रेज वा ब्रिटिश लिकार्ड) उत्तराखण्ड राज्य के लिए





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

916652

4

विदित हो कि कृषि भूमिधरी के खाता नं० 226 के खेत नं० 37 रकबा 0.5370 हैक्टेयर व खेत नं० 66 रकबा 0.1650 कुल दो खेत रकबई 0.7020 हैक्टेयर लगानी रूपये 30=90 पैसे सालाना का 1/4 भाग सम्पूर्ण अपना बकदर 0.1755 हैक्टेयर भूमि को बैनामा हाजा में बेचा गया है स्थित ग्राम चमरावली रामगढ़, परगना व तहसील दादरी, जिला-गौतमबुद्धनगर, जिसका फरीक अव्वल एकमात्र मालिक व संक्रमणीय भूमिधर स्वामी है। जोकि आज दिन तक फरीक अव्वल की ओर से हर प्रकार के भार, बंधक आदि से पाक साफ व सुरक्षित है। यानि कि किसी भी स्थान पर आड़, रहन, बय, हिंबै, माहदाबय, जमानत आदि से



1

卷之三

कार्यालय ज्ञप्त क्रोताला
चाटरी

—5 DEC 2008

स्वम्य नं० ५५..... २५/१
स्वम्य नं० ५५२..... न शामल किए गए
रम रोह

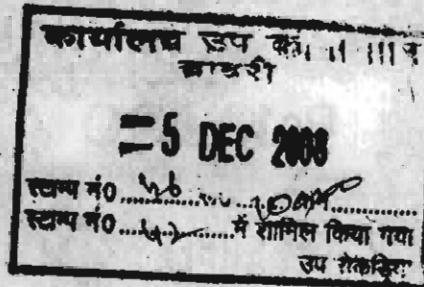
दिनांक ०५.०८.०८ के दिन दोनों दो दिव्यांग ग्रन्थ की अवधि
अंत में से दोनों दिव्यांग ग्रन्थ की अवधि ०८६८.०
मिल प्र० १ द्वारा उपलब्ध हो चुके थे जिनकी अवधि ०५०८.०
मिल प्र० २ द्वारा उपलब्ध हो चुके थे जिनकी अवधि ०४०८.०
उपलब्ध हो चुके थे जिनकी अवधि ०३०८.०
उपलब्ध हो चुके थे जिनकी अवधि ०२०८.०
उपलब्ध हो चुके थे जिनकी अवधि ०१०८.०
उपलब्ध हो चुके थे जिनकी अवधि ०००८.०





5

ग्रस्त नहीं है तथा उपरोक्त भूमि की बाबत किसी भी न्यायालय में कोई वाद विवाद विचाराधीन नहीं है तथा फरीक अव्वल के अतिरिक्त अन्य कोई व्यक्ति हकदार या हिस्सेदार नहीं है। कोई कारण बाधा का उपरोक्त भूमिधरी भूमि को विक्रय करने में नहीं आता है। अतः फरीक अव्वल ने अपनी समस्त शुद्ध बुद्धि व स्थिर चित्त की दशा में खूब सोच समझ कर बिना किसी दबाव व बहकाव के उक्त भूमि को सर्व अधिकार सहित आज की बजार कीमत के बदले अंकन रूपये 17,60,000/- (सत्तरह लाख साठ हजार रूपये मात्र) जिसके आधे अंकन रूपये 8,80,000/- होते हैं में इसी समय से हाथ उपरोक्त फरीक दोयम को



ਭੇਟ ਵਿੰ ਅਗਲਾ ਸਾਲ ਪਿੰ ਕਿਲੋ ਚਾਨ੍ਹ ਕਿ ਸੀਂਹ ਲਾਈਸ਼ਨ ਪਾਣੁ ਹੈ ਜਿਥੋਂ ਤੇਜ਼ ਵਿੰ ਕਿਉਂ ਨਹੀਂ
ਉਪਰ ਲਾਈਸਿਟੀ ਵਿੰ ਲਾਭਾਦ ਨਹੀਂ ਹੈ ਕਿ ਜਿਥੋਂ ਅਗਲੀ ਜਾਨੀ ਜਾਂ
ਉਪਰ ਲਾਭਾਦ ਪਾਸਾਂ ਛੱਡਿਆ ਹੈ ਕਿ ਜਿਥੋਂ ਪਾਸਾਂ ਲਾਈਸਿਟੀ ਵਿੰ ਪਾਸਾਂ ਚਕਿਤ ਛੱਡਿਆ
ਕਾਇਦਾ ਕਾਹਿੰ। ਉਪਰ ਲਾਭਾਦ ਵਿੰ ਕਿਉਂ ਲਾਈਸਿਟੀ ਕਿ ਸੀਂਹ ਤਿਆਂ ਲਾਈਸਿਟੀ
ਭਾਵਿ ਛੁੱਲ੍ਹੇ ਵਿੰ ਗਾਫ਼ ਕਿ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਛੁੱਲ੍ਹੇ ਛੁੱਲ੍ਹੇ ਤਸੰਨੀ-ਤਿਆਂ ਵਿੰ ਲਾਭਾਦ
ਗਤਾਈਸ਼ ਹੈ ਕਿ ਸੀਂਹ ਲਾਈਸਿਟੀ ਵਿੰ ਪਾਸਾਂ ਚਕਿਤ ਹੈ ਜਿਥੋਂ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ ਕਿ ਸੀਂਹ
→ 0000:00:00.000 ਮਿਲੀ ਸੰਕਾਦ ਲਿਆ ਕਿ ਤਾਮਕੀ ਭਾਵਾਕਾਂ ਕਿ ਲਾਭਾਦ ਨਹੀਂ
ਮਿਲੀ ਲਾਭਾਦ ਆਏ ਕਿਸੀ ਵੀ (ਇਸ ਮਿਲੀ ਸੰਕਾਦ ਵਿੰ ਲਾਈਸਿਟੀ ਵਿੰ ਲਾਈਸਿਟੀ)
ਕਿ ਸੰਖੇਹੀਂ ਕਾਇਦਾ ਲਾਈਸਿਟੀ ਵਿੰ ਵਿੰ ਅਗਲੀ ਜਾਨੀ ਜਾਂ ਕਿ ਸੀਂਹ ਲਾਈਸਿਟੀ ਵਿੰ



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

गैर-न्यायिक अधिकारी

H 166384

6

बेच दी तथा कर्तव्य वय कर दी तथा समस्त विक्रीतधन अर्थात् भूमि की कुल कीमत निम्नलिखित अनुसार प्राप्त करके बेची भूमि को कब्जे अधिकार अपने से फरीक दोयम में देकर उस पर फरीक दोयम को अपने ही समान मालिकाना मालिक काबिज व दखिल कर दिया है। अब बैये किये पश्चात् विक्रीत भूमि के किसी भी अंश से फरीक अव्वल व वारिसान फरीक अव्वल का कोई वास्ता या ताल्लुक किसी भी किस्म का शेष नहीं रहा है तथा ना ही भविष्य में होगा। कब्जा मौके पर फरीक दोयम को बहैसियत मालिक पूर्ण रूप से करा दिया है। अब आज की तारीख से ही फरीक दोयम को सर्वथा हक व अधिकार होगा कि वह

36

स्वामी का नाम करते का वरोंगन ५/१९०८
स्वामी कोठा का नाम व पूरा जा ३२४
स्वामी की ब्रह्मराजि ३०००२

वरोंगन चुमार स्वामी विक्रेता
वा. नं. ७- वर्ष ३१-३-२००८
पहलीव रम्पाल राहरी (जी.)
विक्रेता रीमा ₹५०००/-

८५३ मुद्रामध्यम १९७९

८००८ रु

श्री रामराम

कि मैं श्री रामराम नामी ज्ञान १०८ कि अब एक हैतर ग्रन्थ कि इस
किंवद्दि कि मैं श्री रामराम नाम भास्तुत्व नामीनामी ज्ञानकि ग्रन्थ
कि प्रथम ऊर्ध्व १०८ और १०८ कि प्रथम ऊर्ध्व कि निम्न भास्तुत्व
ग्रन्थ । वही अब नामी व इष्टीक नामी । नामीनामी नाम १०८ कि निम्न
व ग्रन्थ लालिका कि १०८ वर्ष कि निम्न कि मौख नामी नामका मिली एवं
एवं अस्तीन कि अस्तीन लालिका व नाम १०८ वर्ष लालिका नामीनामी
सार्वत्र एवं लिखि आवृत । अस्तीन कि अस्तीन कि १०८ वर्ष कि अस्तीन
कि अस्तीन लालिका । वही अब व नाम १०८ कि अस्तीन कि अस्तीन
कि अस्तीन कि अस्तीन कि अस्तीन कि अस्तीन कि अस्तीन



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

प्रौद्योगिकी विभाग
कैदाधिकारी

H 166385

7

खरीदकर्ता कृषि भूमिधरी को जिस प्रकार चाहे प्रयोग मालिकाना अपने में लाकर चाहे जिस प्रकार से मालिकाना लाभ उठावें। यदि विक्रीत भूमि का कोई अंश किसी भी नुकश कानूनी कमी आदि के कारण से कब्जे मालिकाना क्रेता फरीक दोयम से निकल जावेगा या कब्जा फरीक दोयम को न मिले या फरीक अव्वल मालिकाना मालिक हस्ताक्षरकर्ता सिद्ध न हुआ या अन्य किसी कारण से कब्जे मालिकाना फरीक दोयम से कुल या आंशिक रूप से निकल जावेगी तो हर ऐसी दशा में फरीक दोयम को हक होगा कि वह उस समय की बजाएँ कीमत को जिस प्रकार चाहे बजारिये अदालत फरीक अव्वल व वारसान फरीक अव्वल की अन्य चल

S. M.



37

स्वामी के द्वारा लिखा गया तथा उनकी जीवनी अंग्रेजी में लिखी गई है।

प्राप्ति
प्रतिक्रिया द्वारा स्टाम्प लिंगेन
वा० न० ९ - बनाई ३१-३-२००३
प्राप्ति कर्मचारी दाखली।
विषये सीधा 15000/-

ਫਿਰ ਸਾਨੂੰ ਆਖਣੀਆਂ ਅਤੀਰ ਗੀਤ ਪੜਕਰ ਸਲੀ ਕਿ ਮਿਸ਼ਨਿੰਗ ਲੀਕ ਕਿਵੇਂ ਹੋਵੇਗਾ।
ਉਥੋਂ ਪ੍ਰੀਤ ਚਲਿਵੀ ਗੀਤ ; ਗਿਉਂਦ ਆਜ਼ ਆਖਣੀਆਂ ਵਿੱਚ ਯਾਤਰਾ ਸਲੀ ਗੀਤ ਪੁੱਛਾਂ
ਕਿਥੋਂ ਵਿੱਚ ਪ੍ਰੀਤ ਕਿ ਗੀਤ ਪਿਛ ਕਿਵੇਂ ਹੋਵੇਗਾ ਵਿੱਚ ਵਿੱਚੀ ਗੀਤ ਫੈਕਿ
ਸਾਡਿ ਕਾਇਕ ਹੋਵੇਗਾ ਅਤੇ ਮਾਨਿਂਦ ਕਾਨੀ ਹੈ ਸਾਡਿ ਕਾਇਕ ਗੀਤ ਆਖਣੀਆਂ
ਅਤੇ ਗੀਤ ਕਿਵੇਂ ਆਖਣੀਆਂ ਕਾਨੀਆਂ ਆਖਣੀਆਂ ਕਾਨੀਆਂ ਲੰਘਿਕ ਹੈ ਜਿਥੇ ਕਿ
ਲੰਘੁ ਵਿੱਚ ਸਾਡਿ ਕਾਇਕ ਆਖਣੀਆਂ ਕਿਵੇਂ ਵਿੱਚ ਆਖ ਕਿਵੇਂ ਆਏ ਹੋਣਾਂ
ਕਿ ਸਾਡਿ ਕਾਇਕ ਵਿੱਚ ਕਿਵੇਂ ਹੈ ਕਿ ਗੀਤ ਕਿਵੇਂ ਹੋਵੇਗਾ ਤਿੰਨ ਕਾਈਂਦ ਹੈ
ਗੀਤ ਯਾਤਰਾ ਸਲੀ ਕਿ ਸਾਡਿ ਕਾਇਕ ਵਿੱਚ ਕਿਵੇਂ ਹੈ ਕਿ ਗੀਤ ਕਾਇਕ
ਲੰਘੁ ਆਏ ਕਿ ਲੰਘੁ ਕਾਇਕ ਨਾਲ ਕਿਵੇਂ ਹੈ ਕਿ ਗੀਤ ਕਾਇਕ ਅਤੇ ਗੀਤ ਕਾਇਕ



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

D 926148

8

व अचल सम्पत्ति से वसूल कर लें तो कोई ऐतराज नहीं होगा। दाखिल खारिज बेची भूमिधरी का बनाम फरीक दोयम के करा दूँगा या फरीक दोयम इस विक्रय पत्र के आधार पर सरकारी अभिलेखों में अपना नाम स्वयं दर्ज करा लें तो कोई ऐतराज नहीं होगा। विक्रीत भूमि कृषि भूमि है तथा आस-पास भी कृषि भूमि है।

30

5/11/80

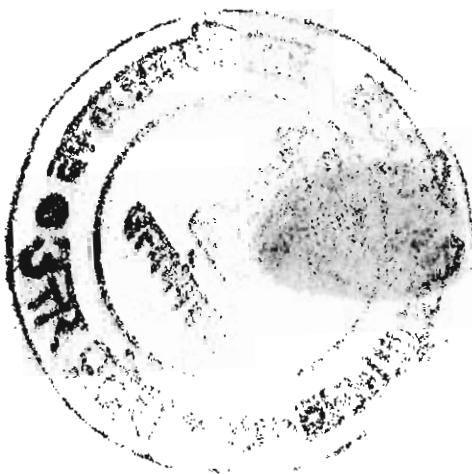
स्वामी देव कर्तव्य का विवरण
स्वामी लेता का नाम ए पूरा जला
स्वामी की बुनराति

प्रभोता कुमार स्वामी लिखेता
का. नं. १— अवधि ३१-३-२०८७
प्रतीक कम्पकाल दारी।
प्रिये दीया ₹ 5000/-

000

000

प्रभोता कुमार स्वामी लिखेता का नाम ए पूरा जला
कम्पकाल दारी। इसके बाहर कार्य का प्रमाण लिख लिखेता
प्रभोता कुमार स्वामी लिखेता का नाम ए पूरा जला
कम्पकाल दारी। इसके बाहर कार्य का प्रमाण लिख लिखेता



भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL



एक हजार रुपये
₹.1000

ONE THOUSAND RUPEES
Rs.1000

ग्राम पत्र
गवर्नर

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

क्रौषणी

D 926149

9

विवरण घन अदायगी :- द्वारा एकाउन्ट ऐयी एक किता बैंक नं 0961617 दिनांक 05-12-2008 ई0 अंकन 17,60,000/- रुपये पंजाब नेशनल बैंक, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली के द्वारा फरीक अब्बल (विक्रेता) ने फरीक दोयम (क्रेता) से प्राप्त कर लिये। अब कोई पैसा विक्रेता का क्रेता की ओर बाकी नहीं रहा है।

38

संख्या ३६ समाचार की जगह
सामने देख करते का वयोवरण
सामने देखता का नाम ये दूसरा भत्ता
सामने की बदलति

51/2100

1000
बालोक गुप्तार स्टाल्स निवेश
वा. न. १०९ - तिथि ३१-३-२००९
प्रतीक्षा कम्पनी वारदाती/दृष्टि
दिव्य दीवा 15000/-

Rs. 0001.500

Rs. 0001.500

HOTEL DRAKE HOTEL HOTEL HOTEL

उपर्युक्त दाता का निम्न विवरण है :- निवास स्थल अस्तानी
स्थान फ्रेड - १०००.००/- दिन ०८-०५-२० आठवीं ८१६१६६
वि (प्रतीक्षा) नाम सर्टिफिकेट के दिन इन तिथि वारदाता का नाम
दिव्य दीवा दाता द्वारा दिया गया, जिसे एक दाता वि (प्रतीक्षा) प्रदाता कहा जाता है।





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

कोष - कोषाल विभाग

D 926150

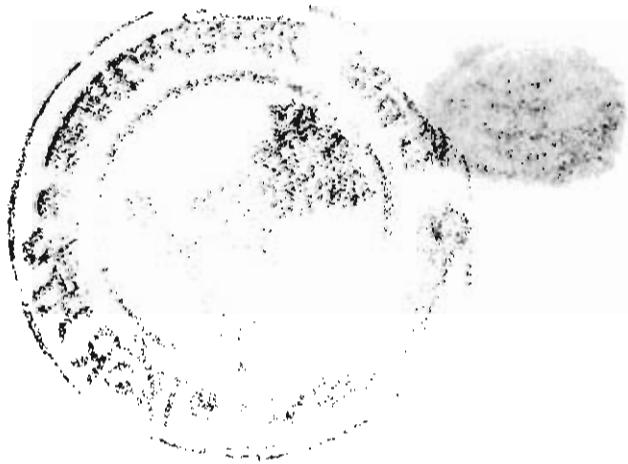
10

उपरोक्त लिखित दस्तावेज फरीक अव्वल व फरीक दोयम की जानकारी के आधार पर तैयार की गयी। दस्तावेज पर चस्पा फोटो गवाहों के कथन पर सत्यापित है।

प्रमाण पत्र ३६ स्टाम्प विभाग की
स्टाम्प देव करने वाले प्रबोधन ५/१२१००
स्टाम्प देता का नाम व पूरा नाम
विद्यालय की विभागीय

१०००
विद्यालय चुकार स्टाम्प विभाग
वा.० नं.०९- अवधि ३१-३-२००७
विद्यालय कम्पनी वारदाती है
विद्यालय दीवा १५००/-

प्रमाण पत्र विभाग की विभागीय विभाग
विद्यालय कम्पनी वारदाती है





उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

D 138603

॥

अतः यह विक्रय पत्र कर्तार्इ लिख दिया कि प्रमाण रहे और वक्त पर काम
आवे। इति ॥

गवाह - 1 दीर्घसौम
दरिंजीप डॉ ओमप्रकाश
नर्स तुलाधर



गवाह - 2 अमृता देवी श्री ब्रह्मापुरी
गाँधी दिल्ली



तारीख 05-12-2008 ई० मसौदाकर्ता संघेश्वराम अग्रवाल, बैनामा
लेखक, दादरी (गौतमबुद्धनगर) लाइसेन्स नं०-१

साधेश्वर्यम् अन्तर्काल

वीराजा संख्या ४३, भा.-१

तद्विस्तारी (वीतव्युत्पाद)

स्टाम्प करने की दिनीकरण 5/12/08
स्टाम्प करने की दिनीकरण 5/12/08
स्टाम्प करने की दिनीकरण 5/12/08
स्टाम्प करने की दिनीकरण 5/12/08

वारोप सुनार स्टाम्प मिलें
वा. नं. १०९ - वर्ष ३१-३-२००९
इतीज कम्पनी वारोपी।
चिक्की दीवा 15000/-

प्रकृति अपने अपने की प्राप्ति की इसी दृष्टि से उपलब्ध करता है।
11 दिसंबर 2008

आज दिनांक 5/12/08 को फोटोस्टेट
प्रति पुस्तक संख्या 1624
के पृष्ठ 219 खण्ड संख्या 15373
पर क्रम संख्या 244 पर रजिस्ट्रीकृत किया गया।

उपनिवन्धक
वारोपी।

प्राप्ति लाभान्वित आजहाल दिनांक ०५-१२-२००९ दर्शात
१-०५-१२६५३३ (आपल्हामारी) मिले करात
संग्रहालय, वारोपी।

१-०५-१२६५३३
०५-१२६५३३